edudwar.com

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परीक्षा, 2015-16

विषय : हिंदी (ऐच्छिक) कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 100 ब्लू प्रिंट समय : 3 घंटे

प्रश्न		
1.	निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : हिंदुस्तान बहुभाषी देश है । इस देश पर विदेशी भाषा के बड़ते हुए प्रभुत्व और महत्व को देखते हुए विनोवा जी ने कहा था कि अंग्रेजी दुनिया के लिए एक खिड़की है । 'घर में केवल एक खिड़की रखेंगे तो सर्वांग विश्व दर्शन नहीं होगा । कम से कम आपको सात खिड़कियाँ रखनी चाहिए । इंग्लिश, फ्रेंच,जर्मन और रशियन ये चार यूरोप की चीनी और जापानी मे दो पूर्व की और एक अरबी-ईरान से लेकर सीरिया तक का जो विस्तार है उसके लिए । इस तरह सात खिड़की रखेंगे तो दुनिया का सही दर्शन होगा, अन्यथा एकांगी दर्शन होने से अंग्रेजी भाषा के अधीन हो जायेंगे ।' हिंदी जिसे सरहपा, अमीर खुसरो से लेकर भारतेंदु युग तक सिंचित और पोषित कर विकसित किया गया और गाँधी जी जैसी हस्तियों की ओर से जातीय स्वाभिमान और साझी संस्कृति का वाहक बनाया गया । परंतु लार्ड मैकाले ने हिंदुस्तान में शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी भाषा रखकर एक ऐसा नौकर वर्ग चाहा जो जन्म, रक्त, रंग से भले हिन्दुस्तानी हो, परंतु रूचि, भाषा, विचार और भावना से अंग्रेजो से प्रभावित थे । परिणाम यह आया कि ब्रिटिश हुकूमत के समय ऐसी नौकरशाही अस्तित्व में आयी जो अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त हिन्दुस्तानी युवा वर्ग जो शासक तथा प्रजा के बीच रहकर समझाने का कार्य करते रहे । धीरे-धीरे हिंदुस्तान में अंग्रेजी का प्रभाव व्यापक रूप से लक्षित होने लगा । आज हिंदी भाषा और भारतीय भाषाएँ हाशिये पर और हीनता बोध से ग्रस्त होती जा रही हैं । परंतु विनोबा जी के चिंतन में स्पष्ट दर्शन था कि अंग्रेजी भाषा चाहे कितनी भी समर्थ क्यों न हो परंतु हिंदी विचार तो हिंदी भाषा से अधिक अच्छी तरह कैसे व्यक्त कर सकेगी ?	
	क) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।	1
	ख) बहुभाषी देश से आपका क्या अभिप्राय है ?	2
	ग) सर्वांग विश्व दर्शन से आप क्या समझते हैं ?	2
	घ) विनोवा जी एकांगी दर्शन के पक्ष में क्यों नहीं थे ?	2
	ङ) आप कैसे कह सकते हैं कि हिंदी साझी संस्कृति का वाहक है ?	2
	च) अंग्रेजी शिक्षा के पीछे लार्ड मैकाले की भावना को स्पष्ट कीजिये ।	2

	छ) भारतीय भाषाओं कि वर्तमान स्थिति के कारणों को स्पष्ट कीजिए । ज) विनोबा जी के चिंतन को स्पष्ट कीजिए ।	2 2
2.	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - स्वार्थ का जहर जब तक आवृत रखेगा । मानवता कि आकृति को और स्वार्थ कि नीव जब तक जुड़ी रहेगी धन के गारे से तब तक आत्मसंतोष केवल कल्पना की वस्तु होगी । कितने ही त्याग और धर्म के उपदेश करें अभावों की यह रात सूनी-सी अंधी रहेगी सोचने से कार्य नहीं हो जाता कल्पना से यथार्थ मेल नहीं खाता आदर्श और धर्म को कागज़ पर उतरने से फायदा क्या, उत्तरदायित्व और संवेदनहीन इन थोथी डिग्रियों से जीवन के दुःख का रहस्य सुलझ नहीं पाता । क) आत्मसंतोष कब तक कल्पना कि वस्तु रहेगी ? ख) सोचने से कार्य क्यों नहीं होता ? ग) आदर्श और धर्म से हमें कब लाभ मिलता है ? घ) डिग्रियों को थोथी कहने का क्या आशय है ? ङ) 'जीवन के दुःख का रहस्य' कैसे सुलझ पाता है ?	1X5=5 1 1 1 1 1
3.	खंड - ख निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :	10

	क) विकासशील भारत ख) जीवन-मूल्य और साहित्य ग) महानगरों की समस्या । घ) हमारे प्रिय खेल	
4	सामान्य नागरिक के प्रतिदिन उपयोग में आने वाली वस्तुओं कि महंगाई पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्टित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । अथवा कश्मीर में आयी बाढ़ से उत्पन्न संकट में सहायता करने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी को पत्र लिखकर निवेदन कीजिए ।	5
5.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : क) पिरामिड शैली किसे कहते हैं ? ख) समाचार के छह ककार कौन कौन से हैं ? ग) विशेष लेखन क्या है ? घ) स्वतंत्रता से पहले की किन्ही दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए । ङ) अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं ?	1x5=5
6.	‘अंधेरे में डूबता गाँव’ विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए ।	5
7.	खंड - ग निम्नलिखित काव्यांश कि सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 1947 के बाद से इतने लोगों को इतने तरीको से आत्मनिर्भर मालामाल और गतिशील होते देखा है कि अब जब आगे कोई हाथ फैलाता है पच्चीस पैसे एक चाय या दो रोटी के लिए तो जान लेता हूँ मेरे सामने एक ईमानदार आदमी, औरत या बच्चा खड़ा है मानता हुआ कि हाँ में लाचार हूँ कंगाल या कोढ़ी या में भला चंगा हूँ और कामचोर और एक मामूली धोखेबाज ।	8
8.	निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : क) फागुन महीने की हवा विरहनी नायिका को किस प्रकार प्रभावित करती है ? ‘बारहमासा’ कविता के आधार पर लिखिए । ख) कवि को धरती और मन की भूमि में क्या क्या समानताएँ दिखाई पड़ती है ? ‘तोड़ो’ कविता के आधार पर लिखिए । ग) ‘खाली कटोरों में वसंत का उतरना’ से क्या आशय है? ‘बनारस’ कविता	3+3=6

	के आधार पर लिखिए ।	
9.	निम्नलिखित में से किन्ही दो काव्यांश का काव्य-सौंदर्य सपष्ट कीजिए : क) कुत्सा, अपमान , अवज्ञा के, धुन्धुआते कड़ुवे तम में यह सदा प्रवित, चिर जागरूक, अनुरक्त नेत्र उल्लंब-बाहु, यह चिर अखंड अपनाया । ख) श्रमित स्वप्न की मधुमाया में, गहन विपिन की तरु छाया में पथिक उनींदी श्रुति में किसने यह विहाग कि तान उठाई । ग) श्रृंगार रहा जो निराकार, रस कविता में उच्छ्वसित धार गाया स्वर्गिया-प्रिया-संग मरता प्राणों में राग रंग ।	3+3=6
10.	निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : स्वातंत्र्योत्तर भारत कि सबसे बड़ी ट्रेजडी यह नहीं है कि शासक वर्ग ने औद्योगीकरण का मार्ग चुना, ट्रेजडी यह रही है कि पश्चिम की देखादेखी और नक़ल में योजनाएँ बनाते समय - प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच का नाजुक संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जा सकता है - इस ओर हमारे पश्चिम-शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान कभी नहीं गया । हम बिना पश्चिम को मॉडल बनाए, अपनी शर्तों और मर्यादाओं के आधार पर, औद्योगिक विकास का भारतीय स्वरुप निर्धारित कर सकते हैं कभी इसका ख्याल भी हमारे शासकों को आया हो, ऐसा नहीं जान पड़ता ।	6
11.	निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : क) साहित्य थके हुए मनुष्य के लिए विश्रांति ही नहीं है, वह उसे आगे बढने के लिए उत्साहित भी करता है - स्पष्ट कीजिए । ख) एकदम अन्दर के प्रकोष्ठ मे चामुंडा रूप धारिणी मंसादेवी स्थापित थी । व्यापार यहाँ भी था - 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । ग) बड़ी बहुरिया का संवाद हरगोबिन क्यों नहीं सुना सका ?	4+4=8
12.	भीष्म साहनी अथवा हजारी प्रसाद द्विवेदी के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा शैली की दो प्रमुख विशेषताएं, सोदाहरण स्पष्ट	6

	कीजिए । अथवा ‘विष्णु खरे’ अथवा ‘तुलसीदास’ के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।	
13.	खंड घ ‘आरोहण’ कहानी पर्वतीय अंचलो की पलायन जैसी समस्या को भी रेखांकित करती है । भूपसिंह और रूपसिंह के जीवन के आधार पर इस कथन का विवेचन कीजिए और उन जीवन-मूल्यों का उल्लेख कीजिए जिन्हें भूपसिंह जैसे लोगों ने संभालकर रखा है ?	5
14.	क) सूरदास राख की ढेर को क्यों उड़ाने लगा ? पाठ के आधार पर सूरदास की मनोदशा का वर्णन कीजिए । ख) हमारी वर्तमान सभ्यता नदियों को गंदे पानी के नाले बना रही है - क्यों और कैसे ? इसे बचने के लिए क्या प्रयास किया जा सकता है ?	5 5

विषय : हिंदी ऐच्छिक अंक योजना

अपेक्षित मूल्यांकन बिन्दु

उत्तर		अंक
1)	क) विनोबा जी का चिंतन (अन्य शीर्षक भी स्वीकार्य) ख) * विविध भाषाओँ वाला देश * जहाँ विभिन्न प्रकार कि भाषाएँ बोली जाती हो ग) * विश्व के सभी देशों के बारे में जानकारी प्राप्त करना * वहाँ कि भाषा, संस्कृति तथा सभ्यता को समझना । घ) * एक भाषा, संस्कृति तथा सभ्यता के अधीन हो जाने का डर * विश्व को विस्तार से नहीं समझ सकना । ड) हिंदी को विकसित करने मे सिद्धों से लेकर आधुनिक युग के नेताओं का योगदान । सभी धर्म, जाति, तथा संस्कृतियों का योगदान । च) वह हिन्दुस्तानी द्वारा हिन्दुस्तानियों पर शासन करने वाला वर्ग तैयार करना चाहता था । छ) * शासकीय कार्यों में अंग्रेजी का व्यापक प्रभाव * भारतीय भाषाएँ हाशिये पर ज) * विश्व की सभी भाषाओं का सम्मान * हिंदी भाषा के द्वारा हिंदी विचार की अभिव्यक्ति	1 2 2 2 2 2 2 2
2)	क) * स्वार्थ जब तक हावी रहेगा । * धन, स्वार्थ जीवन में महत्वपूर्ण । ख) * बदलाव चिंतन को प्रयोग मे लाने पर है । * यथार्थ में बदलाव तब तक नहीं जब तक कल्पना साकार न हो । ग) * जब उपदेश को जीवन में उतारते है * धर्म और आदर्श को अपनाकर जीवन को साकार करना घ) * डिग्रियों से जीवन नहीं चलता * शिक्षा को जीवन के यथार्थ में उतारना आवश्यक । ड) * स्वार्थ से ऊपर उठना * धर्म, डिग्री तथा आदर्श को जीवन में उतारने से	1 1 1 1 1

3)	खंड - ख भूमिका - 2 विषयवस्तु - 6 भाषा - 2	10 अंक
4)	आरम्भ और अंत कि औपचारिकताएं - 2 विषयवस्तु - 2 भाषा - 1	5
5)	क) मुखड़ा, बॉडी और समापन के आधार पर लिखा गया लेख । ख) क्या, किसके, कहाँ, कब, कैसे और क्यों । ग) विषय - विशेष पर लिखा जाने वाला लेख । घ) हंस, जागरण ड) कुछ समय	1 1 1 1 1
6)	विषयवस्तु - 3 प्रस्तुति - 1 भाषा - 1	5
7)	खंड - ग प्रसंग - 2 व्याख्या - 4 विशेष - 1 भाषा - 1	8
8)	क) फागुन महीने की हवा दुखी कर रही • पिया से अलग रहकर जलने का बोध • शरीर को प्राण छोड़ दें या हवा इसे उड़ा ले जाये । • मैं प्रियतम के पैरों में गिर पड़ूँ । आदि ख) दोनो ही सृजनात्मक • पत्थर, चट्टानें धरती की सृजनता को रोकती है, वैसे ही मन की नीरसता, अरूचि से मन सृजनशील नहीं रहता । ग) बनारस मे भिखारी के कटोरे मे दान मिलने पर भिखारी खुश हो जाता है । जीवन संघर्ष मे लगे हुए व्यक्तियों का मन भी आशा कि नयी चमक से प्रकाशित हो उठता है ।	3+3=6
9)	क) भाव सौंदर्य : • निंदा, अपमान अनादर के कठोर अंधकार मे यह हमेशा द्रवित करुणा से भरा हुआ ।	3+3=6

	• दीर्घकाल से जागरूक, लाल आँखों से उठी हुई बाँहों वाला और लम्बे समय से आत्मीयता से भरा हुआ है । शिल्प सौन्दर्य:- • खड़ी बोली • तत्सम प्रधान हिंदी • प्रतीकात्मक • लाक्षणिक प्रयोग ख) भाव सौंदर्य :- परिश्रम से थके हुए सपने के मधुर सम्मोहन में घने वन के बीच पेड़ों कि छाया में विश्राम करते पथिक को नींद से किसने जगा दिया है । राग विहाग छोड़ कर । शिल्प:- तत्सम प्रधान हिंदी - अनुप्रास अलंकार - चित्रात्मक भाषा आदि । घ) भाव- रचनाओं में श्रृंगार का निराकार भाव से बेरी के सौंदर्य कि तुलना • कविता में प्रवाहित रस को पत्नी के प्रेम से जोड़ना • वह प्रेमगीत आज भी उत्साहित कर रहा है । शिल्प:- श्रृंगार का मूर्तिमान रूप - अनुप्रास अलंकार - मानवीकरण - शब्द योजना सराहनीय	
10)	गद्यांश कि सप्रसंग व्याख्या :- प्रसंग - 1 संदर्भ - 1 व्याख्या बिन्दु - 4	6
11)	क) साहित्य से जुड़कर मानसिक शांति के साथ आगे बढ़ने कि प्रेरणा । • नई उमंग, नए उत्साह से समाज की कुरीति, भ्रष्टाचार समाप्त करने कि तत्परता आदि । ख) मंसादेवी मंदिर संभव का जाना • मनोकामना पूरी करने के साधनों का व्यापार चल रहा था । • पुजारी लोग तथा दुकानदार सभी व्यापार से संचालित थे । ग) बड़ी बहुरिया को गाँव कि लक्ष्मी समझना • उसे गाँव कि मर्यादा से जोड़कर देखना • भावनात्मक जुड़ाव महसूस करना	4+4=8
12)	• संक्षिप्त जीवन परिचय	2

	• रचनाएँ (कम से कम दो रचनाएँ) • काव्यगत विशेषताएँ / भाषागत विशेषताएँ	2 2
13)	विद्यार्थियों के चिंतन एवं अभिव्यक्ति के आधार पर ।	5
14)	क) दुःख और परेशानी • अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करने का प्रयास आदि (अन्य तर्क भी स्वीकार्य) ख) नदियों का महत्व नहीं समझने के कारण • ओद्योगीकरण कि उचित व्यवस्था नहीं होने से • घरेलू कचरे को डालना आदि ।	5 5